www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 23 || लखनऊ
गुरुवार
23 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

>> डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:35
सूर्यास्तः 06:34
अधिकतमः 42°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 03

विशेष समाचार | कहीं यूपी में आधी आबादी से ... >> पेज 02 | लखनऊ मेयर के नेम प्लेट को... >> पेज 04 | प्रेग्नेंसी के बावजूद काम में बिजी दीपिका...

आईआरजीसी की सख्ती, अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सीजफायर बढ़ा, वैश्विक व्यापार पर असर

होर्मुज स्ट्रेट बना जंग का नया मोर्चा, भारत जा रहा जहाज जब्त

कब्जा

तमसा संकेत, एजेंसी

तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने होर्मुज स्ट्रेट में भारत आ रहे एक जहाज को रोककर कब्जे में ले लिया है। ईरान ने आरोप लगाया है कि जहाज बिना इजाजत होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहा था। लाइबेरिया के फ्लैग वाला एपामिनोडेस नाम का यह कंटेनर शिप गुजरात के मुंद्रा पोर्ट की ओर जा रहा था। ईरानी नौसेना के मुताबिक जहाज के नेविगेशन सिस्टम में छेड़छाड़ की गई थी, जिससे समुद्री सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ। कार्रवाई के दौरान IRGC ने जहाज को रोककर अपने कब्जे में लिया और उसे तट की ओर ले गई। इसके अलावा इजराइल से जुड़े फ्रांसेस्का नाम के दूसरे जहाज को भी कब्जे में लिया गया है। इसके अलावा यूफोरिया नाम के जहाज पर हमला भी किया गया है। इससे पहले खबरें आई थीं कि एक जहाज पर ईरान के पास फायरिंग हुई, जबकि दूसरा ओमान के तट के पास हमले में क्षतिग्रस्त हुआ था। लेबनान में इजराइल के हमले में दो लोगों की मौत हो गई। यह हमला इजराइल-लेबनान में लागू 10 दिन के सीजफायर के बीच हुआ है। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी (NNA) के मुताबिक, अल-तीरी इलाके में एक कार पर हुए हमले में दो लोगों की जान गई। इसके अलावा कंतारा कस्बे में भी इजराइली सेना ने बमबारी की। पश्चिम एशिया में जंग शुरू होने के बाद बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक देश लौटे हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स

- **ट्रम्प की धमकीः** ईरान को चेतावनी दी कि अगर पीस डील नहीं हुई, तो अमेरिकी सेना हमले के लिए पूरी तरह तैयार है और आदेश मिलते ही कार्रवाई कर सकती है। उन्होंने कहा कि सीजफायर आगे नहीं बढ़ाएंगे।
- **होर्मुज खुलवाने पर बैठकः** होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए UK-फ्रांस ने 30 देशों की बैठक बुलाने का फैसला किया है। लंदन में आज यह बैठक होगी।
- **वेंस की PAK यात्रा टलीः** अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा टाल दी गई है। ईरान ने बातचीत के लिए डेलिगेशन को पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया।
- **हूती विद्रोहियों की चेतावनीः** यमन के हूती विद्रोहियों ने चेतावनी दी है कि जंग अभी खत्म नहीं हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच बना सीजफायर कमजोर है। इसलिए आगे बड़ा संघर्ष होना तय है।
- **फ्रांस की कड़ी टिप्पणीः** राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी को अमेरिका की गलती बताया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद ईरानी अधिकारियों ने अपना शुरुआती रुख बदल लिया।

"ट्रम्प ने कहा कि इस अपील को मानते हुए उन्होंने अमेरिकी सेना को फिलहाल हमला रोकने का आदेश दिया है। हालांकि, सेना को पूरी तरह तैयार रहने को भी कहा गया है। इस दौरान ईरान पर दबाव बनाए रखने के लिए नाकेबंदी (ब्लॉकेड) जारी रहेगी।"

पाकिस्तानी आर्मी चीफ मुनीर और ढट शहबाज की अपील पर फैसला

ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका, पाकिस्तान की अपील पर ईरान के साथ चल रहे युद्धविराम (सीजफायर) को आगे बढ़ा रहा है। हालांकि उन्होंने यह नहीं कहा कि यह कितने दिन के लिए बढ़ाया गया है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान में इस समय नेतृत्व और सरकार में एकजुटता नहीं है। ऐसे वक्त में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने उनसे ईरान पर कुछ समय तक हमले रोकने की अपील की, ताकि ईरान को साझा प्रस्ताव तैयार करने का वक्त मिल सके। उन्होंने साफ किया कि सीजफायर तब तक जारी रहेगा जब तक ईरान अपनी ओर से ठोस और एकजुट प्रस्ताव नहीं दे देता और बातचीत पूरी नहीं हो जाती, चाहे उसका नतीजा कुछ भी निकले।

ईरानी सेना के ग्राउंड फोर्स कमांडर ने पश्चिमी बॉर्डर का दौरा किया

ईरानी सेना के ग्राउंड फोर्स कमांडर ने देश के पश्चिमी बॉर्डर का दौरा किया है। इस दौरान उन्होंने सीमा पर तैनात सैनिकों से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कमांडर ने विभिन्न बॉर्डर पोस्ट का निरीक्षण किया और अधिकारियों से मौजूदा हालात की जानकारी ली। उन्होंने जवानों को सतर्क रहने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए।

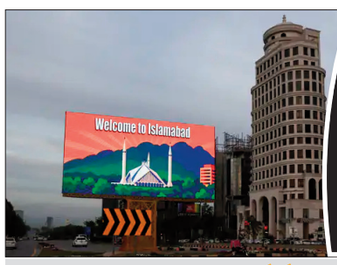

चीन ने ईरान को मदद भेजने के अमेरिकी आरोप खारिज किए

चीन ने ईरान को मदद भेजने के अमेरिकी आरोप खारिज कर दिए हैं। चीन ने कहा है कि ओमान की खाड़ी में पकड़ा गया जहाज उसका नहीं, बल्कि एक विदेशी कंटेनर शिप है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था कि इस जहाज के जरिए चीन ने ईरान को 'गिफ्ट' भेजा था। इसके बाद अमेरिकी राजदूत निक्की हेली ने भी कहा कि जहाज चीन से ईरान जा रहा था और इसमें मिसाइलों के लिए केमिकल हो सकते हैं। इन आरोपों पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि चीन किसी भी तरह की गलत अटकलों और आरोपों का विरोध करता है।

होर्मुज स्ट्रेट में 3 जहाजों पर फायरिंग

होर्मुज स्ट्रेट में बुधवार को कम से कम 3 जहाजों पर गोलीबारी की गई। रॉयटर्स के मुताबिक यह जानकारी समुद्री सुरक्षा से जुड़े सूत्रों और यूनाइटेड किंगडम मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (UKMTO) ने दी है। ओमान के उत्तर-पूर्व में लाइबेरिया के झंडे वाले एक कंटेनर जहाज पर गोलीबारी और रॉकेट से हमला हुआ, जिससे जहाज के ब्रिज हिस्से को नुकसान पहुंचा। इस हमले में सभी क्रू सदस्य सुरक्षित हैं। इसके अलावा एक पनामा के झंडे वाले जहाज पर हमला हुआ। यह ईरान से करीब 8 नॉटिकल मील दूर (14.8 किलोमीटर) था। यह जहाज और इसके क्रू सदस्य सुरक्षित हैं। तीसरे कंटेनर जहाज पर भी ईरान से करीब 8 नॉटिकल मील पश्चिम फायरिंग की गई।

मोदी को आतंकी कहने पर खड़गे को ईसी का नोटिस

कांग्रेस अध्यक्ष ने बयान पर सफाई भी दी थी, शाह बोले-राहुल के साथ रहकर भाषा बिगड़ी

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/चेन्नई/नई दिल्ली। चुनाव आयोग (EC) ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। भाजपा ने आज पीएम मोदी को आतंकी कहने के मामले में चुनाव आयोग से खड़गे की शिकायत की थी। दरअसल खड़गे ने मंगलवार को चेन्नई में चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी को आतंकी कहा था। हालांकि बाद में उन्होंने बयान पर सफाई देते हुए कहा था कि PM मोदी लोगों और राजनीतिक पार्टियों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं। वहीं, अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के दमदम उत्तर में चुनावी रैली में कहा कि आतंकवाद को खत्म करने वाले नरेंद्र मोदी को खड़गे आतंकवादी कह रहे हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

नितिन नवीन बोले- बंगाल में डबल इंजन सरकार बनेगी

नितिन नवीन ने उत्तर 24 परगना में रोड शो के दौरान कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता टीएमसी सरकार को हटाने के लिए तैयार है और राज्य में डबल इंजन सरकार बनने जा रही है। ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने महिलाओं से जुड़े मामलों में अदालत का रुख नहीं किया।

यूपी बोर्ड 10वीं-12वीं रिजल्ट 23 अप्रैल को

शाम 4 बजे जारी होगा, 50 लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी

परिणाम

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं कक्षा का रिजल्ट कल यानी 23 अप्रैल को जारी होगा। छात्र ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट देख सकते हैं। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि गुरुवार शाम 4 बजे रिजल्ट जारी किया जाएगा। पिछले साल 25 अप्रैल को परीक्षा परिणाम घोषित किए गए थे। इस बार 2 दिन पहले ही रिजल्ट घोषित किया जा रहा है। उन्होंने बताया- यूपी बोर्ड के रिजल्ट जारी होने के साथ ही 10वीं और 12वीं के टॉपर्स स्टूडेंट्स की लिस्ट भी जारी की जाएगी। जो छात्र-छात्राएं राज्य भर में टॉप पोजिशन हासिल करेंगे, उन्हें राज्य सरकार की ओर से सम्मानित किया जाएगा। यूपी माध्यमिक शिक्षा परिषद के मुताबिक, 2026 में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा के लिए कुल 52 लाख 30 हजार 297 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। हाईस्कूल में 27 लाख 50 हजार 945 छात्र-छात्राएं रजिस्टर्ड हुए थे, जिनमें 14 लाख 38 हजार 682 छात्र और 13 लाख 12 हजार 263 छात्राएं रहीं।

फास्ट न्यूज

बॉयफ्रेंड को कुर्सी से बांधकर जिंदा जलाया

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में पुलिस ने बुधवार को एक युवती को बॉयफ्रेंड की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, युवती ने 21 अप्रैल को सरप्राइज देने का झांसा देकर युवक की आंखों पर पट्टी बांधी। फिर कुर्सी पर बैठाकर रस्सी से हाथ-पैर बांधे और जिंदा जला दिया। युवती ने बॉयफ्रेंड की मौत का वीडियो भी बनाया। आरोपी प्रेमा और मृतक किरण, दोनों 27 साल के थे।

हिंदू एकजुट रहें, संप्रदायों में बंटे नहीं : सुप्रीम कोट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में सुनवाई हुई। जस्टिस वीबी नागरत्ना ने कहा, 'हिंदू समाज को एकजुट होना चाहिए। दो संप्रदायों में बंटना नहीं चाहिए। वे हमारे मंदिर नहीं आ सकते, हम उनके मंदिर में नहीं जा सकते। यह सोच सही नहीं है। अगर कोई संप्रदाय अपने मंदिर को दूसरों के लिए नहीं खोलता, तो वह कमजोर हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात ट्रावणकोर देवस्वम बोर्ड के वकील राकेश द्विवेदी की उस बात पर कही, जिसमें कहा गया था कि जहां एक संप्रदाय को दूसरे संप्रदाय के मंदिर में पूजा करने से रोका जा रहा है, जबकि वे वहां जाते भी नहीं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान लखनऊ में जाम में फंसे

लखनऊ। भाजपा नेता की बेटी की शादी के लिए सोमवार को लखनऊ आए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान जाम में फंस गए। हालात ऐसे बने कि शादी में शिरकत किए बिना ही उन्हें वापस लौटना पड़ा। भाजपा के दिग्गज नेता का इस तरह से लौट जाना सरकार और संगठन के नेताओं के लिए किरकिरी का सबब बन गया।

पहलगाम आतंकी हमले का एक साल, सेना ने सुरक्षा बढ़ाई

एकजुटता मार्च निकाला गया, मोदी ने कहा- भारत आतंकवाद के आगे कभी नहीं झुकेगा

22 अप्रैल 2025 को आतंकियों ने बैसरन घाटी में घूमने आए सैलानियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इस गोलीबारी में 26 लोगों की मौत हुई थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले को आज एक साल हो गया। इस मौके पर कश्मीर के सभी टूरिस्ट स्पॉट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। घाटी में काम करने वाले हर पोनी, सर्विस प्रोवाइडर, लोकल गाइड के लिए QR कोड बेस्ड स्पेशल चेकिंग सिस्टम बनाया गया है। इधर, आतंकी हमले को याद करते हुए पीएम मोदी ने लिखा है- पिछले साल आज ही के दिन पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को याद कर रहा हूं। उन्हें कभी भुलाया नहीं जाएगा। एक राष्ट्र के तौर पर, हम दुख और संकल्प में एकजुट हैं। भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा। आतंकवादियों के नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। हमले में मारे गए लोगों की याद में देश के कई हिस्सों में एकजुटता मार्च निकाला जा रहा है। 22 अप्रैल 2025 को आतंकियों ने बैसरन घाटी में घूमने आए सैलानियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी।

टीएमसी के गुंडों का जवाब है कमल का फूल, 4 मई के बाद उनकी उल्टी गिनती शुरू

बंगाल की पहचान काबा नहीं, मां काली से : योगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की तीन विधानसभा सीटों पर चुनाव प्रचार किया। जोरासांको में योगी ने कहा- आजादी के समय पूरा देश रोजगार के लिए बंगाल आता था। इसके बाद पहले कांग्रेस ने लूटा, फिर कम्युनिस्टों ने इस प्रदेश को नोचा। अब 15 साल से टीएमसी इसे कंगाल कर रही है। हावड़ा के उदयनारायणपुर में सीएम योगी आरोप लगाया कि टीएमसी, भाजपा की रैली नहीं होने दे रही थी। उन्होंने कहा- टीएमसी के गुंडों ने धमकाया कि टेंट-माइक नहीं जाएगा। याद रखना 4 मई को उनकी उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी। टीएमसी के गुंडों का जवाब केवल कमल का फूल है। डबल इंजन की सरकार बनवाकर टीएमसी के गुंडों से मुक्ति दिलाइए। नदिया जिले की चकदहा सीट पर प्रचार के दौरान भी योगी ने ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। जोरासांको की रैली में एक बच्चा पोस्टर लेकर पहुंचा था। इस पर लिखा था- योगी जी बुलडोजर लाओ, हम तुम्हारे साथ हैं। यूपी में माफिया और गुंडा सिर उठाता है, तो बुलडोजर उनकी हड्डी-पसली को हाईवे बनाने में इस्तेमाल करता है। कांग्रेस और सपा के समय जो गुंडों ने सरकारी संपत्ति पर कब्जा किए थे, सरकार की जमीन सरकार के पास आ गई।

> "सीएम योगी ने कहा कि बुआ-भतीजा मिलकर बंगाल के अस्तित्व को खत्म करना चाहते हैं। कोलकाता का मेयर कहता है कि आधी आबादी को उर्दू पढ़ाएंगे। हम कहते हैं, बंगाल की पहचान बांग्ला से है। उर्दू पढ़ने वाले वहां जाए, जहां उर्दू में शिक्षा मिलती हो। उनकी एक सांसद कहती है- दिल में काबा, नैनो में मदीना। मैं कहना चाहता हूं, बंगाल के दिल में काली और नैनों में बेलूर मठ है। भारत की आध्यात्मिक विरासत बंगाल की रग-रग में बसी है। इससे ममता दीदी को परेशानी होती है।"

ममता दीदी को राम नाम से चिढ़

सीएम योगी ने कहा- बंगाल में धड़ल्ले से गो-हत्या होती है। भगवान राम के नाम से ममता दीदी को चिढ़ है। शोभायात्रा निकालने की परमिशन नहीं मिलती। टीएमसी के गुंडे गुंडा टैक्स वसूलते हैं। ऐसी स्थित यूपी में भी थी। सपा के गुंडों को टैक्स देना होता था। विकास ठप था, राम का नाम लेने वालों पर लाठी-गोली चलती थी। आज यूपी में उत्सव है। कहीं रामनवमी का उत्सव, कहीं कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव, कहीं कांवड़ यात्रा का उत्सव।

रिजल्ट आते ही बंगाल फिर सोनार बांग्ला बनेगा

यूपी में कब्जा नहीं होता। वहां गुंडा जानता है कि अगर कब्जा किया तो सरकार उनकी 7 पुश्तों की जमीन निकालकर गरीबों के लिए घर बनवा देगी। मैं जानता हूं 4 मई को जब रिजल्ट आएगा, तो बंगाल सोनार बांग्ला बनकर अपनी अस्मिता को पहचानेगा।

सुनवाई : कोई सीएम ऐसा करेगा, सोचा नहीं था, ईडी जांच के दौरान फाइल लेकर चली गई थीं

जांच में ममता का दखल लोकतंत्र को खतरा : सुप्रीम कोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। I-PAC रेड मामले में ED की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) की जांच के बीच CM ममता बनर्जी के दखल को गलत ठहराया। कहा- किसी भी राज्य का सीएम ऐसा करता है तो यह लोकतंत्र को खतरे में डालना है। जस्टिस कुमार ने कहा- यह राज्य और केंद्र के बीच का विवाद नहीं है। दरअसल इसी साल 8 जनवरी को ED की टीम ने I-PAC हेड प्रतीक जैन के कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित घर और दफ्तर पर छापा मारा था। प्रतीक जैन ही ममता बनर्जी के लिए पॉलिटिकल स्ट्रैटजी तैयार करते हैं। छापेमारी के बीच ममता प्रतीक के घर पहुंच गईं थीं और कुछ दस्तावेज लेकर चली गईं। ED ने ममता बनर्जी और राज्य पुलिस अधिकारियों पर जांच में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई।

ममता अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी और I-PAC के को-फाउंडर और डायरेक्टर प्रतीक जैन (दाएं) के साथ। यह फोटो प्रतीक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर 4 जून 2024 को पोस्ट की थी।

ममता अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी और I-PAC के को-फाउंडर और डायरेक्टर प्रतीक जैन (दाएं) के साथ। यह फोटो प्रतीक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर 4 जून 2024 को पोस्ट की थी। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और सीएम ममता बनर्जी का चुनावी कैंपेन संभाल रही फर्म 'आई-पैक' का कोलकाता के विधाननगर स्थित दफ्तर 20 अप्रैल से बंद है।

>> (शेष पेज 04 पर)

ममता की 4 दलीलें

- ममता की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील रखी। उन्होंने कहा- ED को जांच करने का कोई मौलिक अधिकार नहीं है। यह सिर्फ उनका काम है, अधिकार नहीं।
- ED का अधिकारी जब काम कर रहा है, तो वह सिर्फ 'सरकारी कर्मचारी' है। वह अपने विभाग से अलग किसी अधिकार का दावा नहीं कर सकता।
- ED ने कहा कि उनके अधिकारों का उल्लंघन हुआ। ऐसा नहीं है, क्योंकि अधिकारी सिर्फ ड्यूटी निभा रहा है, मौलिक अधिकार का सवाल ही नहीं उठता।
- ईडी खुद एक ताकतवर एजेंसी है वह खुद को 'जनता का रक्षक' बताकर कोर्ट में नहीं आ सकती।

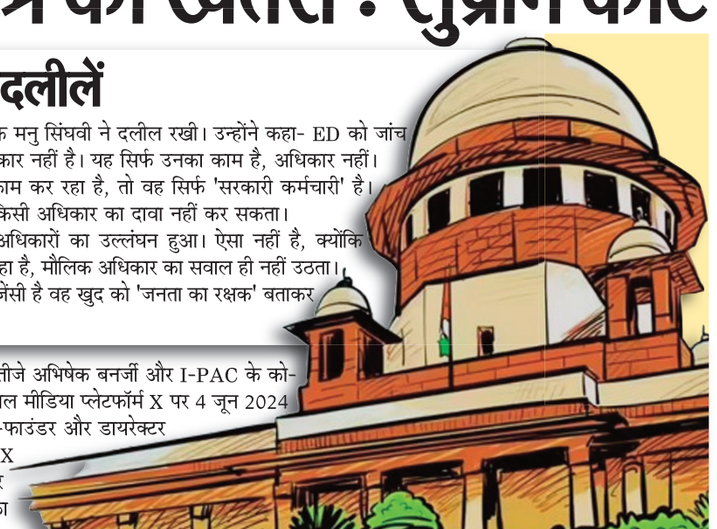

आईआरएस अफसर की बेटी से रेप-हत्या

घर में शव मिला, पेरेंट्स जिम गए थे, नौकर पर शक

मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के कैलाश हिल्स इलाके में बुधवार सुबह एक सीनियर IRS अफसर के घर में उनकी 22 साल की बेटी की रेप के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह करीब 6 बजे उस समय हुई जब युवती घर में अकेली थी। IRS अफसर और उनकी पत्नी रोज की तरह जिम गए हुए थे। वापस लौटे तो बेटी का शव कमरे में मिला। वह UPSC की तैयारी कर रही थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उसके साथ पहले रेप किया गया। फिर मोबाइल फोन के चार्जिंग केबल से गला घोंटकर हत्या की गई।

पुलिस के अनुसार, 22 साल की पीड़ित घटना के समय घर में अकेली थी।

पुलिस के मुताबिक, मामले में 19 साल का राहुल मीणा मुख्य संदिग्ध है। वह IRS अफसर के घर में करीब आठ महीने तक नौकर था।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

तुम मुझे वोट दो, मैं तुम्हें गलत इतिहास बताऊंगा

भाजपा के मौजूदा दौर के नेताओं को इतिहास, ऐतिहासिक तथ्यों और तर्कों से शायद परहेज है, या फिर उन्हें हिंदुस्तान की जनता की सहज बुद्धि और सामान्य ज्ञान पर संदेह है। वे सोचते हैं कि सार्वजनिक तौर पर वे कुछ भी गलतबयानी करें, लोग उन्हें सही मानेंगे और वोट भी उन्हीं को देंगे। जैसे प.बंगाल चुनाव में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने एक रैली में कहा कि, 'स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा'।' जबकि स्कूल के विद्यार्थी भी अच्छे से जानते हैं कि यह नारा नेता सुभाष चंद्र बोस ने दिया था। 1944 में इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए) के सैनिकों को प्रेरित करने के लिए नेताजी द्वारा दिया गया यह नारा आजादी की लड़ाई का सर्वाधिक प्रेरणादायी नारा बन गया। ठीक वैसे ही जैसे नेहरूजी के बाद जब शास्त्रीजी प्रधानमंत्री बने और 1965 में पाकिस्तान के साथ जंग छिड़ी, वहीं देश में अन्न का संकट भी कायम हुआ, तो सेना के जवानों और साथ ही किसानों के लिए सम्मान दिखाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए शास्त्रीजी ने जय जवान, जय किसान का नारा दिया था। प्रचारतंत्र में पारंगत भाजपा को तो यह बात अच्छे से समझ आती होगी कि ऐसे वनलाइनर या स्लोगन यानी कम शब्दों में बड़ा संदेश देने वाले नारे किस तरह समाज को नयी दिशा दे देते हैं। लेकिन फिर भी उसके नेता इसमें उद्धरण देते हुए सावधानी नहीं बरतते। वैसे तो प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या ऐसे ही किसी बड़े ओहदे पर बैठे लोगों से यह सामान्य अपेक्षा होती है कि उन्हें अपने ही देश के इतिहास के बारे में चर्चित बातें तो ठीक से पता होंगी। लेकिन भाजपा कभी इस अपेक्षा पर पूरी नहीं उतरती। ज्यादा अफसोस की बात यह है कि अगर कुछ नहीं पता तो उसे सीखा जा सकता है, पढ़ा जा सकता है, खुद को इतिहास से, सामान्य ज्ञान से वाकिफ रखा जा सकता है। लेकिन देश की यह सबसे बड़ी पार्टी अज्ञानता को ही सबसे बड़ा गुण बनाने पर तुली है। उसी बात पर घमंड कर सकती है कि उसके नेता अपनी डिग्री नहीं दिखाते और पढ़े-लिखे लोगों का मजाक उड़ाती है। जब प्रधानमंत्री मोदी ही हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़े लोगों का मखौल बनाते हुए कहते हैं कि हम हार्डवर्क वाले हैं, हार्वर्ड वाले नहीं, तो बाकी नेताओं से भी समझदारी की उम्मीद क्या की जाए? दरअसल यहां उनकी हीनग्रंथि ही नजर आती है। हालांकि हीनता का भाव यहां हटाया जा सकता है। कोई हार्वर्ड में पढ़े या देश के किसी अन्य संस्थान से पढ़े, लोकतंत्र में एक नेता से सबसे बड़ी अपेक्षा यही रहती है कि वह संविधान का सम्मान करे और उदार दृष्टिकोण से इतिहास, संस्कृति, विज्ञान, कला जैसे सारे विषयों को फलने-फूलने दे। लेकिन भाजपा में यह माहौल दिन ब दिन खत्म किया जा रहा है। संस्कृति जैसे विराट शब्द को भाजपा ने सनातन धर्म के दायरे में ही कैद कर दिया है, विज्ञान के लिए इतना ही सरोकार है कि अगर किसी अंतरिक्ष कार्यक्रम में सफलता मिले तो प्रधानमंत्री मोदी उसका श्रेय लेने के लिए आगे आ जाएं। लेकिन वैज्ञानिक नजरिए की कोई जगह नहीं है। इसलिए प्लास्टिक सर्जरी को ये गणेश भगवान से शुरु बता देते हैं और पुष्पक विमान को विकसित भारत का सच बताते हैं। कला से भी इनका सरोकार वहीं तक है, जहां तक कलाकार भाजपा के फायदे का प्रचार करें, वहीं तक रचनात्मक या कलात्मक आजादी है, उसके बाद तरह-तरह के प्रतिबंध नजर आते हैं। और इतिहास की जहां तक बात है, तो इसे वे वामपंथी नजरिए से लिखा मानते हैं और अपना नया इतिहास लिखने में लगे हैं। इसलिए अब अकबर को महान नहीं कहा जाता और हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप को जीता हुआ बताया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तो एक से बढ़कर एक ऐतिहासिक तथ्यों की गलतबयानी कर चुके हैं, लेकिन कभी इसके लिए उन्होंने खेद प्रकट किया हो, ध्यान नहीं पड़ता। एक बार महात्मा गांधी का पूरा नाम श्री मोदी ने मोहनदास की जगह मोहनलाल कह दिया था। फिर एक भाषण में कहा कि सिकंदर की सेना ने पूरी दुनिया पर जीत हासिल की, लेकिन बिहारियों से हार गई। यही कारण है कि वह? इस देश की ताकत है। रोचक बात यह है कि इस गलती को नीतीश कुमार ने अपनी रैलियों में सही किया था कि सिकंदर की सेना ने कभी गंगा नदी को पार नहीं किया और उन्हें बिहारियों ने नहीं हराया था। तथ्य यही है कि सिकंदर ने झेलम नदी पार की थी, गंगा नहीं। लेकिन तथ्यों से मोदीजी को क्या, इसलिए एक बार वे तक्षशिला को बिहार में भी बता चुके हैं। यहां तक कि जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बारे में वे भी गलत बोल चुके हैं। नरेन्द्र मोदी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को 'प्राउड सन ऑफ गुजरात' कहा था। उन्होंने मुखर्जी को लंदन में इंडिया हाउस बनाने का श्रेय दिया। उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नाम लेकर कहा कि उनका निधन 1930 को हुआ और मरने से पहले उन्होंने इच्छा जाहिर की कि उनकी राख को रख दिया जाए, जिससे वह भारत लौटकर भारत को आजाद करवा पाएं। दरअसल मोदीजी को श्यामजी कृष्ण वर्मा के बारे में बताना था, जिनका जन्म गुजरात में हुआ था।

> **विधानसभा में 33 फीसदी सीटों पर आरक्षण के मसले को लेकर जिस प्रकार की राजनीति हो रही है, उससे सीनियर नेताओं की मुश्किलें बढ़ी हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने तो संसद में साफ किया था कि अगर विपक्ष संविधान संशोधन बिल का विरोध करेगा तो फायदा उन्हें हो जाएगा।**

कहीं यूपी में आधी आबादी से पीडीए की काट तो नहीं खोज रही भाजपा

मंगलवार को जब राजधानी में सुबह के दस बज रहे थे तो एक तरफ तो सूरज अपनी तपिश से सबको झुलसा रहा था तो दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सर पर भगवा गमछा लपेटे अपने दोनों उपमुख्यमंत्रियों को दायें-बायें रखकर अपने सरकार आवास से जब विधानसभा की ओर बढ़े तो लगा सूरज से ज्यादा तपिश ये कदमताल बढ़ा रही है। हो भी क्यों नहीं, लंबे समय बाद ऐसा मौका था जब राजधानीवासियों को यह नजारा देखने को मिला क्योंकि अपनी ही सरकार पर कोई मुख्यमंत्री सड़क पर चले, यह तो बड़ी बात है ही। मुख्यमंत्री यानी कि पूरी सरकार सड़क पर। आखिर ऐसी क्या मजबूरी है जैसे सभी भाजपा शासित राज्य एक दिन का विधानसभा सत्र आयोजित कर नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विरोध जता रहे हैं. वैसे उत्तर प्रदेश में भी तो हो ही रहा है, फिर आखिर ऐसा क्यों। कारण खबरनवीस खोज रहे थे लेकिन जवाब तो बस एक ही था कि इस कदमताल को करके अगर आधी आबादी सध जाये तो मुख्य विरोधी दल समाजवादी पार्टी के पीडीए की ताकत को कुचला जा सकता है। आधी आबादी की ताकत बीते दिनों पूरे देश ने बिहार में देखी है तो फिर यह आधी आबादी क्यों न सियासत का केंद्र बने। अब ऐसा मौका बने तो आखिर अखिलेश बाबू कैसे चूक जायें, उन्होंने भी कैमरे साधे और पत्रकारों को बुला कर दो टूक भाजपा

पर हमला बोल दिया। भाजपा के 2027 में विपक्ष बनने की बात करने लगे लेकिन, यूपी की राजनीति में पहली बार आधी आबादी का मुद्दा चुनावों से पहले विपक्ष को टेंशन देने वाला तो बन ही गया है। तमाम समीकरणों को तैयार करने के बीच भाजपा ने विपक्ष पर जिस प्रकार से हमला बोला है, यह रिटर्न अटैक के तौर पर माना जा रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान अखिलेश यादव के नेतृत्व में विपक्ष ने सत्ताधारी एनडीए पर संविधान को खत्म करने और आरक्षण खत्म करने जैसे आरोप लगाए। वहीं, जब महिला आरक्षण के मुद्दे सदन में एनडीए की ओर से उठाया गया तो विपक्ष ने विरोध कर दिया। अब आरक्षण विरोधी का नैरेटिव विपक्ष के खिलाफ सेट किए जाने तैयारी पूरी है। नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक के साथ ही परिसीमन विधेयक दो-तिहाई बहुमत के अभाव में लोकसभा में गिर गया। संसद के घटनाक्रम को सड़क तक अपने-अपने नैरेटिव को सेट करने की कोशिश शुरू हो गई है। महिला आरक्षण के मसले को भारतीय जनता पार्टी जोर-शोर से उठा रही है। वहीं, विपक्ष परिसीमन के मुद्दे पर घेरने में जुटी है। सदन के बाहर तमाम विपक्षी दल सत्ता पक्ष के आक्रामक रवैये के कारण घिरते दिख रहे हैं। यूपी में करीब 9 सालों से सत्ता में रही भाजपा हमेशा विपक्षी हमलों को बैकफुट पर रहकर अपने तरीके से डिफेंड करने की कोशिश करती रही थी। लोकसभा चुनाव 2024 में जातीय गोलबंदी पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए पॉलिटिक्स के जरिए भाजपा को बैकफुट पर धकेला गया। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा जैसे मुद्दे तक को पीछे रखकर भाजपा अपने मुद्दों को चुनावी मैदान में उठाती रही। विपक्ष ने सत्ता पक्ष को अपने नैरेटिव में ऐसा फंसाया कि 400 सीटों का दावा करने वाली भाजपा पूर्ण बहुमत भी हासिल नहीं कर पाई। ऐसे में महिला आरक्षण का मुद्दा भाजपा के लिए बहुत बड़ा मौका बनकर आया है। 2024 में आसमान में उड़ती और 400 के पार का नारा देती भाजपा यूपी चुनाव 2027 से पहले जमीन पर दिख रही है। सीएम योगी से लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी तक जमीन पर उतरते दिख रहे हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम भले ही केंद्र सरकार की ओर से लाया गया संविधान संशोधन विधेयक था, लेकिन भाजपा को आरक्षण विरोधी करार देने वाले विपक्ष को घेरने के लिए अब पार्टी इसे हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। महिलाओं यानी आधी आबादी के जरिए विपक्ष के जातीय गोलबंदी यानी पीडीए पॉलिटिक्स की काट तैयार करने में जुट गई है। योगी पिछले दिनों बंगाल के चुनावी मैदान में यूपी के कानून व्यवस्था मॉडल के साथ-साथ महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष के रवैये पर हमला करते दिखे। सीएम योगी ने चुनावी सभाओं में लगातार कहा है कि मां-माटी-मानुष की बात करने वाली ममता बनर्जी ने संसद में 'मां' यानी महिला को धोखा दिया। वहीं, लखनऊ की सड़कों पर अपने दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक एवं अन्य मंत्री-नेताओं के साथ उतरकर प्रदेश की राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। यूपी में अगले साल फरवरी-मार्च में चुनावी परीक्षा से भाजपा को गुजरना है। लेकिन, प्रदेश में सपा की राजनीति महिला आरक्षण के मुद्दे से टकराती रही है। अगले साल उत्तर प्रदेश के साथ कई राज्यों में चुनाव होने हैं। लेकिन, सबसे अधिक नजर उत्तर प्रदेश पर ही रहने वाली है। भाजपा ने प्रदेश के महिला वोट बैंक को साधने का पूरा प्रयास किया है। कानून व्यवस्था से लेकर एंटी रोमियो पुलिस और महिला अपराध पर हाफ एनकाउंटर-एनकाउंटर जैसी नीतियों ने महिलाओं के बीच सीएम योगी की लोकप्रियता बढ़ाई है। सत्ता पक्ष के आक्रामक रुख ने विपक्ष को बैठफुट पर धकेल दिया है। महिलाओं के लोकसभा और विधानसभा में 33 फीसदी सीटों पर आरक्षण के मसले को लेकर जिस प्रकार की राजनीति हो रही है, उससे सीनियर नेताओं की मुश्किलें बढ़ी हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने तो संसद में साफ किया था कि अगर विपक्ष संविधान संशोधन बिल का विरोध करेगा तो फायदा उन्हें हो जाएगा। अब इस फायदे को उठाने के लिए सरकार सड़क पर है। वहीं, अखिलेश यादव इस पूरे मामले को लेकर सफाई दे रहे हैं। सबसे अधिक डर विपक्ष पर आरक्षण विरोधी का ठप्पा लगने का है। यह ठप्पा अब तक कई नेताओं के बयानों के जरिए विपक्ष भाजपा पर लगाती रही थी। अब इसी प्रकार का माहौल भाजपा ने विपक्ष के लिए बना दिया है।

राजेश श्रीवास्तव

जन सुराज का...

सौरभ वार्ष्णेय

उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर पर सियासी उबाल

उत्तर प्रदेश में आगामी वर्ष में विधानसभा चुनाव का विगुल बज जायेगा । ऐसे में विपक्ष के लोग वर्तमान सरकार की हर छोटी से छोटी समस्या को भी मुद्दा बनाने से नहीं चूक रही। अभी हाल ही में नोयडा हुए मजदूर आंदोलन से सरकार उबर पाई थी कि अब दूसरा मुद्दा स्मार्ट मीटर योजना को लेकर आ गया। हालांकि प्रदेश सरकार की मंशा पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, जो अब आम जनता—खासकर महिलाओं—के गुस्से का कारण बनती जा रही है। हाल के दिनों में कई जिलों से महिलाओं के सड़कों पर उतरकर विरोध करने की खबरें सामने आई हैं, जो इस नीति के जमीनी असर को उजागर करती हैं। वहीं फिलहाल सरकार ने इस स्मार्ट मीटर पर रोक लगा दी है। प्रदेश में अभी जैसे तैसे कर गैस सिलेंडर की समस्या स उपजे मजदूर आंदोलन से निजात पाई थी कि और ऊपर से अब उत्तर प्रदेश में बढ़ते बिल और भरोसे का संकट के दौर से गुजर रहीं महिलाओं की स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं की सबसे बड़ी शिकायत बिजली बिल में अचानक वृद्धि देखी जिसके चलते आगरा और मथुरा जैसे इलाकों में महिलाओं ने आरोप लगाया कि पहले की तुलना में बिल कई गुना बढ़ गए हैं, जबकि खपत में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। इसके साथ ही प्रीपेड सिस्टम ने समस्या को और बढ़ा दिया है—रिचार्ज खत्म होते ही बिजली कट जाती है। कई मामलों में बिल जमा करने के बाद भी आपूर्ति बहाल होने में देरी की शिकायतें सामने आई हैं। इस समस्या से जूझ रही गांवों और कस्बों में महिलाओं ने सीधे बिजली घरों का घेराव किया, प्रदर्शन किए और अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। आगरा में तो हालात ऐसे बने कि अधिकारियों को कार्यालय छोड़कर जाना पड़ा। यह विरोध सिर्फ आर्थिक बोझ का नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी पर पडने वाले असर का भी है—रसोई, बच्चों की पढ़ाई और घर के काम सीधे बिजली पर निर्भर हैं, इसलिए

महिलाएं इस मुद्दे को लेकर सबसे ज्यादा सक्रिय दिख रही हैं। स्मार्ट मीटर से जुड़ी तकनीकी समस्याएं भी विवाद का बड़ा कारण हैं। कहीं सोलर उपभोक्ताओं को गलत बिल मिल रहे हैं, तो कहीं कनेक्टिविटी और रीडिंग में गड़बड़ी की शिकायतें हैं।इसके अलावा, बिना सहमति पुराने मीटर हटाने और नए मीटर लगाने के आरोपों ने जनता के भरोसे को और कमजोर किया है। लगातार विरोध और शिकायतों के बाद सरकार को कदम पीछे खींचने पड़े। स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगा दी गई। जांच के लिए तकनीकी समिति बनाई गई उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए अस्थायी नियम लागू किए गए। यह कदम इस बात का संकेत है कि नीति और उसके क्रियान्वयन के बीच गंभीर खाई है। स्मार्ट मीटर का उद्देश्य पारदर्शिता और ऊर्जा प्रबंधन को बेहतर बनाना था, लेकिन जमीनी स्तर पर यह तकनीकी सुधार सामाजिक असंतोष में बदल गया है। महिलाओं का उग्र विरोध यह बताता है कि जब किसी नीति का असर सीधे घर-परिवार की बुनियादी जरूरतों पर पड़ता है, तो वह केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा बन जाता है। स्मार्ट मीटर योजना अपने उद्देश्य में गलत नहीं, लेकिन इसकी जल्दबाजी, तकनीकी खामियां और संवाद की कमी ने इसे विवाद का केंद्र बना दिया है। यदि सरकार पारदर्शिता, जवाबदेही और उपभोक्ता हितों को प्राथमिकता नहीं देती, तो यह स्मार्ट पहल जन असंतोष का स्थायी कारण बन सकती है। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटरों की स्थापना पर सरकार द्वारा लगाई गई रोक ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ऊर्जा क्षेत्र में तकनीकी सुधारों को बढ़ावा देने की जरूरत बार-बार रेखांकित की जा रही है। सवाल यह है कि क्या यह कदम उपभोक्ताओं के हित में है या फिर सुधारों की गति को धीमा करने वाला? स्मार्ट मीटर को बिजली वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए एक अहम साधन माना जाता है। ये मीटर वास्तविक समय में खपत का डेटा देते हैं, बिलिंग में त्रुटियों को कम करते हैं और चोरी पर लगाम लगाने में मददगार होते हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं में भी इनका विशेष स्थान है।

फिल्म 'वाली'...

सुभाष शिरढोनकर

साउथ के लोकप्रिय एक्शन स्टार हैं अजित कुमार

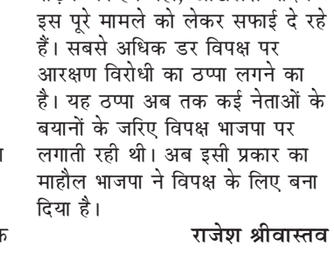

तमिल फिल्मों के स्टार-एक्टर पद्म भूषण अजित कुमार अपनी विनम्रता, सिंपल लाइफ-स्टाइल और दमदार ऑन स्क्रीन अंदाज के लिए जाने जाते हैं। अपने करियर में तमाम हिट फिल्में देने वाले अजित कुमार की एक्शन से भरी फिल्में देखने के बाद ऑडियंस खुद को जोश भरा हुआ महसूस करते हैं। तमिल फिल्म 'एन वीदु एन कानावर' (1990) की एक बेहद छोटी भूमिका के साथ बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरूआत करने वाले अजित कुमार को फिल्म 'अमरावती' (1993) में पहली बार लीड एक्टर के रूप में काम करने का अवसर मिला। उसके बाद तीन दशक से ज्यादा के अपने करियर में अजित कुमार 'कधल कोट्टई' (1996) 'अवल वरूवाला' (1998) 'काधल मन्नान' (1998) 'परमासिवन' (2006) 'बिल्ला' (2007) 'मनकथा' (2011) 'वीरम' (2014) और 'विदामुयारची' (2025) जैसी 60 से अधिक फिल्मों में काम कर चुके हैं। 1 मई, 1971 को सिकंदराबाद के एक तमिल पलक्कड़ अय्यर परिवार में जन्मे, अजित कुमार के पिता का नाम पी. सुब्रमण्यम था। उनकी माँ, मोहिनी, कोलकाता, के सिंधी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। करियर की शुरूआत में अजित कुमार की इमेज एक रोमांटिक हीरो की बनी लेकिन मन में कहीं न कहीं एक एक्शन के रूप में काम करने की ख्वाहिश थी। साल 1997 में, अजित कुमार की लगातार पाँच फ़िल्में असफल रहीं। इसी दौरान, उन्होंने फ़िल्म डिस्ट्रीब्यूशन के बिज़नेस में भी कदम रखा लेकिन उसमें उन्हें काफ़ी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। अजित ने एक्शन-रोमांटिक कॉमेडी फ़िल्म 'काधल मन्नन' (1998) के साथ सफल वापसी की। 'अमरकलम' (1999) में उन्हें पहली बार एक एक्शन हीरो के रूप में काम करने का अवसर मिला और उसके बाद तमाम एक्शन फिल्मों में काम करते हुए अजित कुमार ने खुद को साउथ के स्थापित एक्शन हीरोज में स्थापित किया। फिल्म 'वाली' (1999) में अजित कुमार ने ऐसे दो जुड़वां भाइयों का डबल रोल किया, जिसमें से एक मूक बधिर था। इस डबल रोल के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ तमिल अभिनेता का पहला फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। 'वरलारू' (2006) में अजित कुमार ने तिहरी भूमिका निभाई जो उस साल की सबसे अधिक कमाई करने वाली तमिल फिल्म बनी। अजित ने 'विवेगम' (2017) 'पिंक' (2016) की रीमेक 'नारकोंडा पारवई' (2019) और 'विस्वासम (2019) जैसी फिल्मों में जबर्दस्त सफलता अर्जित की। फिल्म 'वालिमें' (2022) में अजित कुमार एसीपी अर्जुन की भूमिका में नजर आए। उनके अपोजिट हुमा कुरैशी ने सोफिया का किरदार निभाया। इसे तमिल, तेलुगु और हिंदी भाषा के साथ ओव्हरसीज मार्केट में रिलीज किया गया। फिल्म को पहले दिन 62 करोड़ की बंपर ओपनिंग मिली। अकेले तमिलनाडु में पहले दिन इसने 36 करोड़ कमाए। 1990 के दशक के मध्य में अजीत ने अभिनेत्री हीरा राजगोपाल को डेट किया लेकिन 1998 में उनके बीच का यह रिश्ता खत्म हो गया। अप्रैल 2000 में उन्होंने एक्ट्रेस शालिनी से शादी की। उनके एक बेटी अनुष्का और बेटा आद्विक है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

अशोक भाटिया

साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा का वात्सल्य, साधना और समर्पण प्रेरणा का संगम है

शासनमाता, असाधारण साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी के समाधि स्थल पर निर्मित 'वात्सल्य पीठ' का भव्य उद्घाटन समारोह श्रद्धा, गरिमा और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर शासनश्री मुनिश्री विमलकुमार, बहुश्रुत मुनिश्री उदितकुमार, डॉ. मुनिश्री अभिजीतकुमार एवं साध्वी कुंदनरेखा के पावन सान्निध्य ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊँचाइयों से अनुप्राणित किया। कार्यक्रम में भारत सरकार के भारत सरकार के राज्यमंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा मुख्य अतिथि, प्रख्यात उद्योगपति श्रीमती सावित्री जिंदल विशिष्ट अतिथि तथा जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष महेंद्र नाहटा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा, आचार्य महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल जैन पटावरी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तित्वों ने अपनी उपस्थिति से समारोह की गरिमा बढ़ाई। केंद्रीय मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि "यह अवसर केवल एक स्मारक के उद्घाटन का नहीं, बल्कि एक दिव्य चेतना के पुनः प्रतिष्ठापन का क्षण है।" उन्होंने साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी को "वात्सल्य, करुणा और संवेदना की साक्षात् प्रतिमूर्ति" बताते हुए कहा कि वात्सल्य पीठ आने वाली पीढ़ियों के लिए एक जीवंत प्रेरणा केंद्र सिद्ध होगा।" मुनि विमल कुमार जी ने कहा कि "वात्सल्य केवल भावना नहीं, बल्कि साधना की पराकाष्ठा है, जिसे शासन माता ने अपने जीवन में जिया।" मुनि उदितकुमार जी ने कहा कि "उनका जीवन संयम और संतुलन का अद्भुत उदाहरण है, यह स्थल आत्मिक शांति का अनुभव कराएगा।" डॉ. मुनिश्री अभिजीतकुमार एवं साध्वी कुंदनरेखा ने शासनमाता के प्रति समर्पित अपनी कविता और उद्गार व्यक्त किए। श्रीमती सावित्री जिंदल ने इसे अपने जीवन का

सौभाग्यपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि "वात्सल्य पीठ करुणा, ममता और साधना का जीवंत प्रतीक है।" उन्होंने साध्वीप्रमुखा को नारी शक्ति की प्रेरणास्रोत बताते हुए उनके जीवन को महिलाओं के लिए मार्गदर्शक बताया। महासभा अध्यक्ष श्री महेंद्र नाहटा ने कहा कि "यह केवल वात्सल्य पीठ का उद्घाटन नहीं, बल्कि एक जीवंत आध्यात्मिक चेतना एवं उससे जुड़ी स्मृतियों का उत्सव है।" उन्होंने इसे "करुणा और साधना का

दिव्य तीर्थ" बताते हुए विश्वास जताया कि यह पीठ आने वाली पीढ़ियों को दिशा प्रदान करेगी। आचार्य महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल जैन पटावरी ने कहा कि "यह वात्सल्य पीठ शासनमाता के जीवन मूल्यों का साकार रूप है, जो समाज को सेवा, संयम और समर्पण की प्रेरणा देगा।" उन्होंने युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण के दिल्ली के प्रति विशेष अनुकंपा का उल्लेख करते हुए कहा कि "यह स्थल साधना और संस्कारों का ऐसा केंद्र बनेगा, जहाँ से नई पीढ़ी जीवन के सही मार्ग को पहचान सकेगी।" इस अवसर पर जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा दिल्ली के अध्यक्ष श्री सुखराज सेठिया ने साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा के बहुआयामी व्यक्तित्व और उनकी साहित्यिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्हें "तुलसी की अनुपम कृति" बताया। कार्यक्रम में वात्सल्य पीठ के समन्वयक श्री लक्ष्मीपत बोथरा ने निर्माण कार्य की विशेषताओं को रेखांकित किया, जबकि कार्यक्रम का कुशल संचालन महामंत्री श्री प्रमोद घोड़ावत ने किया। युवा गौरव श्री पुखराज सेठिया ने साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को व्यक्त किया। इस पावन अवसर पर निर्माण कार्य एवं अन्य व्यवस्थाओं में सहभागी रहे समस्त कार्यकर्ताओं को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विशेष अनुदानदाता श्री विकास मालू की मातोश्री ने भी इस अवसर पर अपने भावपूर्ण उद्गार व्यक्त करते हुए इस पावन कार्य को एक आध्यात्मिक पुण्य बताया। समारोह में सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि "वात्सल्य पीठ" केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि करुणा, साधना और आत्मिक उत्थान का जीवंत केंद्र बनेगा। यह स्थल आने वाले समय में श्रद्धा, प्रेरणा और आध्यात्मिक ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण तीर्थ बनकर उभरेगा, ऐसी भावनाएं व्यक्त की। इस पावन अवसर पर निर्माण कार्य एवं अन्य व्यवस्थाओं में सहभागी रहे समस्त कार्यकर्ताओं को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विशेष अनुदानदाता श्री विकास मालू की मातोश्री ने भी इस अवसर पर अपने भावपूर्ण उद्गार व्यक्त करते हुए इस पावन कार्य को एक आध्यात्मिक पुण्य बताया। समारोह में सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि "वात्सल्य पीठ" केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि करुणा, साधना और आत्मिक उत्थान का जीवंत केंद्र बनेगा। यह स्थल आने वाले समय में श्रद्धा, प्रेरणा और आध्यात्मिक ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण तीर्थ बनकर उभरेगा, ऐसी भावनाएं व्यक्त की।

अशोक ने 150 की रफ्तार से आईपीएल में गेंद फेंकी

गांव में सड़क नहीं, भाई बोले-किसी को घर बुलाने में शर्म आती है

अशोक को 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें 50 लाख में अपने साथ जोड़ा था। पर मौका नहीं मिला।

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL में अपनी 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बल्लेबाजों के पसीने छुड़ाने वाले अशोक शर्मा इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। लेकिन, राजस्थान की राजधानी जयपुर से महज 35 किलोमीटर दूर स्थित उनके गांव रामपुरा पहुंचने का रास्ता आज भी बेहद उबड़-खाबड़ है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से उतरने के बाद गांव तक पहुंचने के लिए कोई पक्की सड़क नहीं है। इस पर बड़े भाई अक्षय ने चुटकी लेते हुए कहा कि पापा को प्लेन में बैठने से डर लगता है। पास ही चुपचाप बैठीं मां लाली देवी ने बातचीत में शामिल होते हुए बड़े भरोसे के साथ

कहा कि एक दिन हम प्लेन में जरूर जाएंगे। वहीं, भाई अक्षय को उम्मीद है कि अशोक की इस शानदार सफलता की चमक से शायद अब रामपुरा गांव के नसीब में एक पक्की सड़क जरूर आ जाएगी। और एमएस धोनी की तरह लंबे बाल रखते थे। उन्होंने धीरे से सिर हिलाते हुए कहा, 'नहीं।'

अशोक ने पिता को इलेक्ट्रिक स्कूटर गिफ्ट दी

अशोक के पिता नाथूलाल शर्मा आज भी खेतों में काम करते हैं। वे फटे हुए कपड़ों और मिट्टी से सने पैंट में ही अपने छोटे बेटे द्वारा गिफ्ट किए गए इलेक्ट्रिक स्कूटर से खेत से लौटते हैं। अशोक की मां लाली देवी मुस्कुराकर बताती हैं कि अशोक बचपन में बहुत शरारती था। वह घर का खूब सामान तोड़ता था, जिसकी वजह से अक्सर बड़े भाई अक्षय को मार खानी पड़ती थी। परिवार के सबसे चहेते अशोक ने पिछले साल केकेआर टीम में रहते हुए अपने जन्मदिन पर जिद करके 'थार' गाड़ी मांगी थी। अब यह एसयूवी गांव के बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र है और गांव के रास्तों को देखते हुए यह एक सही चुनाव भी साबित हुई है।

गुजरात टाइटंस ने 90 लाख में खरीदा

पिछले साल गुजरात टाइटंस ने अशोक को 90 लाख रुपए में खरीदा और इस साल उन्होंने अपना डेब्यू किया। परिवार उन्हें पहली बार लाइव खेलते देखने के लिए 450 किलोमीटर दूर चंडीगढ़ गया। तेज गेंदबाजी का शौक दोनों भाइयों को बचपन से था। अक्षय बताते हैं इस जुनून के पीछे उनके चाचा रामदयाल शर्मा की प्रेरणा है, जो अपने समय में गांव के खूंखार तेज गेंदबाज माने जाते थे।

गांव बुलाने में झिझक, पर जड़ों से गहरा लगाव

अशोक के बड़े भाई अक्षय शर्मा मायूसी से कहते हैं, 'हमें लोगों को यहां बुलाने में शर्म आती है, क्योंकि यहां कोई ढंग का रास्ता ही नहीं है।' इन मुश्किलों के बावजूद, शर्मा परिवार को अपनी जड़ों और गांव से बेहद प्यार है। अक्षय बताते हैं कि करोड़ों रुपए की लीग का हिस्सा बनने के बाद भी अशोक सादगी पसंद करते हैं। वह अक्सर कहते हैं, वे सुबह 5 बजे उठते हैं, मैदान पर दौड़ने जाते हैं, ट्रेनिंग करते हैं और घर का बना सादा खाना और छाछ उनकी डाइट का मुख्य हिस्सा है।

इसके बाद अहमदाबाद में अगले मैच के लिए अशोक ने परिवार को बुलाया, तो उन्होंने फ्लाइट की जगह जयपुर से 10 घंटे की ट्रेन यात्रा चुनी। जब अशोक के पिता नाथूलाल से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी फ्लाइट में सफर किया है।

तिलक को हार्दिक की सलाह काम आई

आखिरी 23 गेंद में 5 बाउंड्री के साथ 82 रन बनाए

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 में सोमवार रात मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 45 गेंदों में नाबाद 101 रन बनाए। उन्होंने मुंबई को 99 रन से जिताया और टीम को सबसे निचले पायदान से सातवें स्थान पर पहुंचाया। गुजरात की टीम 100 रन पर ढेर हो गई, जो तिलक से एक रन कम था। तिलक की पारी की शुरुआत निराशाजनक थी। पहले 5.5 ओवर में मुंबई के तीन विकेट गिर चुके थे। दबाव में तिलक संघर्ष कर रहे थे और 22 गेंदों में 19 रन पर थे। वे रन के लिए बेचैन थे और गलत शॉट पर बल्ला पैड पर मार रहे थे। इस मैच से पहले आईपीएल 2026 में उनका सर्वोच्च स्कोर 20 था और उन्होंने कोई छक्का नहीं लगाया था। हालात ऐसे थे कि कोच महेला जयवर्धने उन्हें 'रिटायर्ड आउट' बुलाने पर विचार कर सकते थे। स्ट्रेटेजिक टाइम-आउट में कप्तान हार्दिक पंड्या ने उनसे बात की। मैच के बाद हार्दिक ने बताया,

'तिलक के पास गजब की प्रतिभा है, उन्हें ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। उसके बल्ले से गेंद काफी खूबसूरती से निकलती है। मैंने बस उनसे इतना कहा कि सिर्फ गेंद को देखो और हिट करो।' इस सलाह से तिलक के दिमाग से आउट होने का डर निकल गया। 22 गेंदों तक तिलक ने एक भी बाउंड्री नहीं लगाई। अगली 23 गेंदों में उन्होंने 15 बाउंड्री के साथ 82 रन बनाए। शुरुआती 20 गेंद के बाद उनके स्ट्राइक रेट में 251 का उछाल आया, जो आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक है।

फास्ट न्यूज

धुरंधर फैंस के लिए गुड न्यूज

मुंबई। धुरंधर और धुरंधर 2 की कामयाबी के बाद अब डायरेक्टर आदित्य धर फैंस के लिए तीसरी बार धुरंधर को बड़े पर्दे पर लाने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि ये कोई फिल्म नहीं होगी, बल्कि धुरंधर बनने की कहानी होगी। मेकिंग ऑफ धुरंधर में फिल्ममेकिंग, शूटिंग के साथ-साथ फिल्म के कलाकारों के इंटरव्यू भी शामिल किए जाएंगे।

आराध्या को सरप्राइज देने एयरपोर्ट पहुंचीं ऐश्वर्या राय

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे अपनी बेटी आराध्या बच्चन को रिसीव करने मुंबई एयरपोर्ट पहुंची। आराध्या अपने स्कूल ट्रिप से वापस लौटी थीं और ऐश्वर्या ने एयरपोर्ट पहुंचकर उन्हें सरप्राइज कर दिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही आराध्या एयरपोर्ट के बाहर निकलीं, ऐश्वर्या उन्हें देखकर काफी खुश हुईं। उन्होंने तुरंत अपना फोन निकाला और अपनी बेटी की तस्वीरें और वीडियो लेना शुरू कर दिया। आराध्या भी अपनी मां को देखकर मुस्कुराईं और उन्हें गले लगा लिया। इसके बाद जब आराध्या अपने दोस्तों के साथ पोज दे रही थीं, तब ऐश्वर्या खुद फोटोग्राफर बनकर उनकी ग्रुप फोटो खींचती नजर आईं। अभिषेक बच्चन ने भी पहले एक इंटरव्यू में ऐश्वर्या के 'हैंड्स-ऑन मॉम' होने की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि ऐश्वर्या की वजह से ही वे बेफिक्र होकर बाहर काम कर पाते हैं।

जापान दूसरे देशों को घातक हथियार बेचेगा

जापान ने सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद अपनी शांतिवादी नीति में बड़ा बदलाव किया है। प्रधानमंत्री साने ताकाइची की कैबिनेट ने घातक हथियारों के निर्यात पर लगी दशकों पुरानी रोक हटा दी है। इसके तहत अब जापान फाइटर जेट, मिसाइल और वॉरशिप जैसे हथियार दूसरे देशों को बेच सकेगा। मंगलवार को X पर पोस्ट करते हुए ताकाइची ने कहा कि अब सभी रक्षा उपकरणों का ट्रांसफर संभव होगा।

टीवी एक्टर विपुल रॉय के घर हुई लाखों की चोरी

आरोप- नौकरानी ने चुराई फॉरेन करंसी, सोने-चांदी के गहने और नकद

मुंबई, एजेंसी

टीवी के पॉपुलर शो एफआईआर में नजर आ चुक एक्टर विपुल रॉय के घर चोरी की घटना सामने आई है। एक्टर ने 21 अप्रैल को नदीजकी पुलिस स्टेशन में अपनी नौकरानी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है, जिसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। एक्टर द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के अनुसार, ये घटना 6 अप्रैल की है। एक्टर विपुल रॉय पत्नी और बेटी के साथ मुंबई के खार वेस्ट में स्थित एसवी रोड की कलानिके-तन सोसाइटी में रहते हैं। उनका फ्लैट 10वीं मंजिल पर है, जिसका नंबर 1001 है। वो फुल टाइम नौकर रखने के बजाए ऑनलाइन सर्विस एप से काम पड़ने पर हाउसहेल्प बुलाते रहते हैं। उन्होंने 6 अप्रैल को भी अर्बन कंपनी से दीपाली संय खारवा नाम की एक हाउसहेल्प को बुलाया था, जिसकी उम्र करीब 35 साल थी। उसे सफाई का काम दिया गया था।

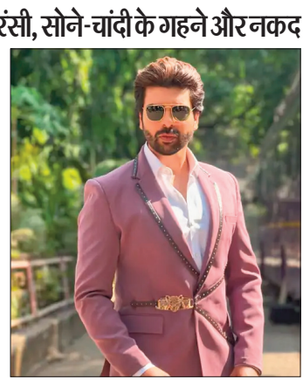

वो पहले भी कई मौकों पर एक्टर के घर की सफाई करने के लिए आ चुकी थी और उसे घर के हर सामान की सही जगह, घर वालों का रूटीन और कमरों की जानकारी थी। पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, 6 अप्रैल को सुबह 9 बजकर 45 मिनट पर दीपाली बेडरूम में पोछा लगाया था। जैसे ही एक्टर कमरे में आने वाले थे।

प्रेग्नेंसी के बावजूद काम में बिजी दीपिका

पुनीत मल्होत्रा के साथ की शूटिंग, डायरेक्टर बोले- कर्ज चुकाऊंगा, 19 अप्रैल को अनाउंस की प्रेग्नेंसी

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने हाल ही में दूसरी प्रेग्नेंसी अनाउंस की है। पिछली प्रेग्नेंसी में भी एक्ट्रेस ने कालिक 2898 AD शूट की गई थी, उसी तरह इस बार भी एक्ट्रेस काम से ब्रेक नहीं ले रही हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में डायरेक्टर पुनीत मल्होत्रा के साथ फिल्म की शूटिंग की है। डायरेक्टर पुनीत मल्होत्रा ने हाल ही में ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से दीपिका पादुकोण के साथ एक तस्वीर शेयर की है। इसमें उन्होंने लिखा, यह शूट? 10/10। कोई कमी नहीं। शुक्रिया दीपिका पादुकोण, इतनी गर्मजोशी, विनम्रता और शानदार होने के लिए, सच में आभारी हूं। आपका एहसान रहा, मैं यह कर्ज जरूर चुकाऊंगा। इसके अलावा भी पुनीत मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन से शूटिंग की कुछ और तस्वीरें भी शेयर की हैं। पोस्ट के अनुसार, वो अपकमिंग प्रोजेक्ट की पिछले 6 दिनों से शूटिंग कर रहे हैं। पुनीत मल्होत्रा के प्रोजेक्ट के अलावा दीपिका पादुकोण इन

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका के पास इस समय दो सबसे बड़ी फिल्में पाइपलाइन में हैं। वे सिद्धार्थ आनंद की फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी, जिसमें शाहरुख खान लीड रोल प्ले कर रहे हैं। यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। इसके अलावा वे डायरेक्टर एटली की फिल्म 'राका' में सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ दिखाई देंगी। इस फिल्म में उनका रोल काफी पावरफुल और एक्शन से भरपूर बताया जा रहा है।

दिनों फिल्म राका की शूटिंग भी कर रही हैं। एटली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अल्लू अर्जुन लीड रोल में हैं।

19 अप्रैल को अनाउंस की है दूसरी प्रेग्नेंसी

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने 19 अप्रैल को दूसरी बार पेरेंट्स बनने की घोषणा की है। कपल ने इविल आई का इमोजी शेयर करते हुए बेटी दुआ की तस्वीर शेयर की है, जिसमें उन्होंने पॉजिटिव प्रेग्नेंसी टेस्ट किट पकड़ी हुई है।

दीपिका-रणवीर की इस पोस्ट को 4.5 मिलियन से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। दीपिका और रणवीर की पर्सनल लाइफ की बात करें तो दोनों ने लंबे समय तक डेटिंग के बाद नवंबर 2018 में इटली में शादी की थी। शादी के करीब 6 साल बाद सितंबर 2024 में दीपिका ने अपनी पहली बेटी दुआ को जन्म दिया था। अब दुआ डेढ़ साल की होने वाली है और जल्द ही बड़ी बहन बनने वाली है। कपल के इस पोस्ट पर बॉलीवुड सेलेब्स और फैंस लगातार बधाइयां दे रहे हैं।

जनरेशन बैन कानून दोनों सदनों में पास, 1 जनवरी 2027 से लागू

2008 के बाद जन्मे लोग तंबाकू नहीं खरीद पाएंगे

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन ने धूम्रपान को रोकने के लिए सख्त कदम उठाया है। अब वहां नई पीढ़ी के लोगों के लिए सिगरेट खरीदना हमेशा के लिए बंद करने की तैयारी हो गई है। सरकार ने 'टोबैको एंड वेप्स बिल' पास कर दिया है। इसके तहत 2008 के बाद पैदा हुए लोग जिंदगी भर तंबाकू से जुड़ी चीजें नहीं खरीद पाएंगे। संसद से बिल पास हो चुका है और अब सिर्फ किंग चार्ल्स III की औपचारिक मंजूरी बाकी है, जिसके बाद यह कानून बन जाएगा। यह पूरे ब्रिटेन यानी इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड में लागू होगा। सरकार ने यह बिल 2024 में पेश किया था और इसे

अपनी बड़ी प्राथमिकताओं में रखा था। नए नियम के अनुसार, 1 जनवरी 2027 से यह कानून लागू होगा। वेपिंग (ई-सिगरेट) पर भी सख्ती की गई है। स्कूल, अस्पताल और बच्चों के खेलने की जगहों पर स्मोकिंग पूरी तरह बंद होगी। कई इनडोर जगहों पर वेपिंग भी नहीं कर सकेंगे।

उम्र के हिसाब से लागू होगा कानून

- 1 जनवरी 2027 से तंबाकू खरीदने की न्यूनतम उम्र हर साल 1 साल बढ़ती जाएगी।
- यानी अगर 2027 में उम्र सीमा 18 साल है, तो 2028 में 19 साल, 2029 में 20 साल हो जाएगी।
- जो लोग 2009 या उसके बाद पैदा हुए हैं, वे कभी भी कानूनी तौर पर सिगरेट नहीं खरीद पाएंगे।
- दुकानदारों को हर ग्राहक की उम्र चेक करना जरूरी होगा। कम उम्र वाले को सिगरेट बेचने पर जुर्माना लगेगा।
- तंबाकू बेचने वालों को रजिस्ट्रेशन करना होगा। वहीं विज्ञापन और प्रमोशन पर सख्त रोक रहेगी।

ब्रिटेन में हर साल तंबाकू से 76 हजार मौतें

ब्रिटिश सरकार ने यह सख्त कदम इसलिए उठाया है क्योंकि धूम्रपान वहां लोगों की सेहत के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक यहां हर साल 76,000 से ज्यादा लोग सिगरेट से जुड़ी बीमारियों जैसे कैंसर, दिल की बीमारी और फेफड़ों की समस्या से जान गंवा देते हैं। सरकार का कहना है कि ज्यादातर लोग कम उम्र में ही सिगरेट पीना शुरू कर देते हैं। बाद में यह आदत छोड़ना मुश्किल हो जाता है, इसलिए शुरू से ही नई पीढ़ी को इससे दूर रखना जरूरी है।

सरकार का कहना है कि इससे आने वाले समय में स्मोक-फ्री जनरेशन''ट तैयार होगी और धूम्रपान से होने वाली बीमारियां और मौतें कम होंगी। हालांकि कुछ लोग और कारोबारी इसे बहुत सख्त बता रहे हैं और कह रहे हैं कि लोगों को जागरूक करना ज्यादा जरूरी है। अगर कोई 18 साल से कम उम्र के व्यक्ति के साथ कार में वेपिंग करता है, तो वह भी गैरकानूनी होगा। इसलिए शुरू से ही नई पीढ़ी को इससे दूर रखना जरूरी है।

थाईलैंड में भारतीय टूरिस्ट पर नस्लभेदी कमेंट

रेस्टोरेंट स्टाफ बोली- इंडिया वेरी बैड, पुलिस बुलाने पर मैनेजर ने माफी मांगी

बैंकॉक, एजेंसी

थाईलैंड के आओ नांग शहर में एक भारतीय टूरिस्ट और ट्रैवल व्लॉगर सूमो को नस्लभेदी कमेंट का सामना करना पड़ा। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें एक रेस्टोरेंट की महिला स्टाफ उनसे "इंडिया वेरी बैड" कहते नजर आ रही है। व्लॉगर के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब वह नाश्ता करने गए थे। बिल में हल्की गड़बड़ी हुई, जिसके बाद अनुवाद के लिए महिला को बुलाया गया। जैसे ही उन्होंने अपनी राष्ट्रीयता भारत बताई, माहौल बदल गया और उन पर आरोप लगाए गए कि भारतीय पैसे नहीं देना चाहते। इसके बाद भारतीय टूरिस्ट ने पुलिस बुलाई। पुलिस के आने पर रेस्टोरेंट के मैनेजर ने माफी मांगी। व्लॉगर सूमो ने बताया कि विवाद पैसे को लेकर नहीं था, क्योंकि रकम सिर्फ 120 थाई बात यानी करीब 349 रुपए थी। व्लॉगर ने वीडियो में कहा कि यह पहली बार था जब उन्हें थाईलैंड में ऐसे व्यवहार का सामना करना

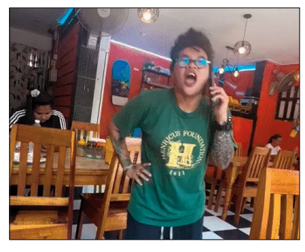

पड़ा। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद व्लॉगर ने संदर्भ देने के लिए एक और वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि कई लोग मान लेते हैं कि ऐसी स्थिति में गलती टूरिस्ट की ही होती है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं था। व्लॉगर ने बताया कि उन्हें बहस करने के बजाय टूरिस्ट पुलिस को बुलाना बेहतर लगा। पुलिस ने उनकी बात समझी और रेस्टोरेंट के मैनेजर ने उनसे माफी मांगी। इस घटना पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी समुदाय को लेकर एक जैसी सोच बनाना गलत है।

प्रदर्शन : 11 साल में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट, चौथी तिमाही के नतीजों का असर

एचसीएल के शेयर 10% गिरकर एक-साल के निचले स्तर पर

मुंबई, एजेंसी

HCL टेक के शेयर बुधवार, 22 अप्रैल को 10% गिरकर 52 हफ्ते के निचले स्तर 1295 रुपए पर आ गए हैं। यह अक्टूबर 2015 के बाद शेयर का सबसे खराब एक दिन का प्रदर्शन है। चौथी तिमाही के कमजोर नतीजों और FY27 की निराशाजनक गाइडेंस के बाद कई ब्रोकरेज ने रेटिंग डाउनग्रेड और प्राइस टारगेट कट किए हैं। इस वजह से शेयरों में ये गिरावट आई है। HCLTech के मैनेजमेंट ने बताया कि विदेशी कंपनियों ने अब गैर-जरूरी प्रोजेक्ट्स पर पैसा खर्च करना कम कर दिया है और टेलीकॉम सेक्टर से मिलने वाले काम में भी गिरावट आई है। इसके साथ ही कंपनी के दो बड़े प्रोजेक्ट्स अचानक बंद होने से उनकी कमाई पर सीधा

असर पड़ा है। कंपनी को अंदेशा है कि यह सुस्ती अगली तिमाही में भी बनी रह सकती है। इसलिए अब वह डॉलर की कमाई से होने वाले मुनाफे को बचाने के बजाय उसे अपनी सेल्स टीम को मजबूत करने और भविष्य की जरूरत यानी AI जैसी तकनीक को बेहतर बनाने में निवेश करेगी। बुधवार सुबह HCL टेक का शेयर 10% गिरकर 1,300 रुपए से नीचे आ गया है। ये इस शेयर का 52 हफ्ते का लो है। बीते 6 महीने में शेयर 15% और एक साल में 20% गिरा है।

ब्रोकरेज फर्मों ने घटाया टारगेट प्राइस

- **इनक्रेड:** टारगेट 1,616 से घटाकर 1,275 किया। कमजोर बुकिंग को वजह बताया।
- **नुवामा:** टारगेट 1,550 से 1,400 किया। कहा ग्रोथ अब TCS और इन्फोसिस के करीब।
- **HSBC:** टारगेट 1,560 से 1,480। कहा कि आगे डबल-डिजिट अर्निंग्स ग्रोथ मुश्किल।
- **JP मॉर्गन:** टारगेट 1,419 से 1,370। प्रोजेक्ट कैंसिलेशन का असर जारी रहने की आशंका।

चौथी तिमाही के नतीजें...

1. रेवेन्यू में अनुमान से ज्यादा कमी

किसी भी कंपनी के लिए 'रेवेन्यू' का मतलब होता है कि उसने कुल कितनी बिक्री की। बाजार को लग रहा था कि इस बार HCL की कमाई में 1% की मामूली कमी आएगी, लेकिन असल में यह 3.3% गिर गई। यानी कंपनी को उम्मीद से ज्यादा नुकसान हुआ है।

2. मुनाफे का मार्जिन गिरा

'मार्जिन' वह हिस्सा है जो सारे खर्चे निकालने के बाद कंपनी की जेब में बचता है। बाजार को उम्मीद थी कि कंपनी हर 100 रुपए की कमाई पर करीब 17.60 बचाएगी, लेकिन कंपनी केवल 16.50 ही बचा पाई। खर्चों के बढ़ने या प्रोजेक्ट्स की कमी से मुनाफे में यह कमी आई है।

3. पूरे साल का लक्ष्य भी चूका

हर साल कंपनियां अपना एक टारगेट तय करती हैं। HCL ने 2026 के लिए लक्ष्य रखा था कि उनकी कमाई 4% से 4.5% की रफ्तार से बढ़ेगी। लेकिन जब साल खत्म हुआ, तो यह रफ्तार सिर्फ 3.9% ही रही। आसान शब्दों में कंपनी ने जो वादा किया था वह उसे पूरा नहीं कर पाई।

विदेशी ऑटो-पेमेंट पर 24 घंटे पहले नोटिफिकेशन मिलेगा

नई दिल्ली। अब आप नेटफ्लिक्स और यूट्यूब जैसे विदेशी एप के सब्सक्रिप्शन के लिए ऑटोमैटिक पेमेंट कभी भी रोक सकेंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने विदेशी कंपनियों को किए जाने वाले ऑटोमैटिक पेमेंट के नियम बदल दिए हैं। अब अगर आप अपने कार्ड या UPI से किसी विदेशी सर्विस के लिए ई-मेंडेट यानी हर महीने पैसे कटने वाला सिस्टम (ई-मैन्डेट) सेट करते हैं, तो आपको पेमेंट से 24 घंटे पहले नोटिफिकेशन मिलेगा। इसके लिए बैंकों को एडिशनल फैक्टर ऑथेंटिकेशन (AFA) यानी OTP से वेरिफिकेशन करना होगा। इसका मकसद यूजर को डिजिटल फ्रॉड से बचाना और उन्हें अपने ट्रांजैक्शन पर ज्यादा कंट्रोल देना है। RBI ने ई-मैन्डेट ट्रांजैक्शन के लिए लिमिट भी तय की है। ग्राहक यह तय कर सकेंगे कि हर बार एक निश्चित राशि कटे या फिर एक मैक्सिमम लिमिट तय कर सकते हैं। अगर आप अलग-अलग लिमिट चुनते हैं, तो बैंक को यूजर से मैक्सिमम वैल्यू पूछनी होगी।

बीमा सुरक्षा, फिर भी इलाज में 34,064 जेब से

अस्पतालों में दवा, जांच और फॉलो-अप खर्च अक्सर मरीज को ही भरने पड़ रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में हाल के वर्षों में हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज तेजी से बढ़ा है। सरकार का दावा है कि यह बीमा सुरक्षा देश की करीब आधी आबादी तक पहुंच चुकी है। लेकिन इलाज का बोझ आम परिवारों की जेब पर अब भी भारी पड़ रहा है। एनएसएस हेल्थ सर्वे 2025 के मुताबिक, देश में एक अस्पताल में भर्ती होने पर अब भी औसतन 34,064 रुपए जेब से खर्च करने पड़ते हैं। सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक हाल के वर्षों में बीमारी रिपोर्ट करने वाले दोगुने हो गए हैं। 2017-18 में 15 दिनों के भीतर 7.5% लोग बीमार पड़ते थे। 2025 में यह संख्या 13.1% हो गई। यह बढ़ोतरी सिर्फ ज्यादा बीमारियों का नहीं, बल्कि बढ़ती जागरूकता, बढ़ती पहुंच और

डायबिटीज-हाइपरटेंशन जैसी गैर-संक्रामक बीमारियां बढ़ने का भी संकेत है। सरकारी अस्पतालों में जेब से औसत खर्च 6,631 है। आधे मामलों में 1,100 या उससे भी कम है। निजी अस्पतालों में यही औसत 50,508 है। करीब आठ गुना का अंतर है। प्रसव के मामले में भी सरकारी अस्पताल में औसत खर्च 2,299, जबकि सभी अस्पतालों में 14,775 है। स्वास्थ्य बीमा के मोर्चे पर काफी कामयाबी मिली है। ग्रामीण कवरेज 2017-18 के 14.1% से बढ़कर 2025 में 47.4% और शहरी कवरेज 19.1% से बढ़कर 44.3% पहुंच गया। ग्रामीण इलाकों में 45.5% और शहरी क्षेत्रों में 31.8% लोग सरकारी बीमा से कवर हैं। इसके बावजूद बीमा होने का मतलब पूरी आर्थिक सुरक्षा नहीं है, क्योंकि दवाएं, जांच और फॉलो-अप खर्च अक्सर जेब से ही भरने पड़ते हैं।

लखनऊ मेयर के नेम प्लेट को चप्पलों से पीटा

सपा नेता ने घर के बाहर नारे लगाए, खर्कवाल बोलीं- सपाइयों ने अपना चरित्र दिखाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में मेयर सुषमा खर्कवाल के आवास पर बुधवार सुबह साथियों के साथ पहुंचे सपा नेता गौरव चौधरी ने उनके नेम प्लेट को चप्पलों से पीटा। उस पर कालिख पोती। सुरक्षा के लिए लगे बैरियरों को झकझोर कर सुषमा खर्कवाल मुर्दाबाद के नारे लगाए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वीडियो पर गौरव चौधरी, विधानसभा 43 सिवालखास, मेरठ लिखा है। इस मामले पर मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि सपा का यह चरित्र है। वह अपनी मां और बहन का अपमान करते हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर भी तंज कसते हुए कहा कि वे हमेशा विदेश में रहते हैं। दरअसल, मंगलवार को लखनऊ में महिला आरक्षण बिल को लेकर लखनऊ में निकले जनाक्रोश रैली में मेयर सुषमा खर्कवाल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का

नाम लेते हुए टिप्पणी की थी, तब से सियासी माहौल काफी गरमा गया है। इस मामले में मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा- मैं किसी की मां को क्यों गाली दूंगी? कहीं भी यह बता दिया जाए कि मैंने गाली दी है। मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की मांग अखिलेश यादव ने की। जब धर्म पर देश बंटा तो यह आरक्षण पाकिस्तान में जाकर मांगिए। मैंने आधी आबादी की बात रखी है। भारतीय समाज में कभी भी, किसी की भी मां का अपमान स्वीकार्य नहीं है। आपका राजनीतिक भविष्य उज्ज्वल हो,ता अगर आप उसे नैतिक मानकों पर इतना नीचे न ले जातीं। आज आपके समर्थक भी शर्मिंदा हैं। जिनको

इस बयान से शुरू हुआ विवाद

जनाक्रोश रैली में मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा था- आज जनाक्रोश पदयात्रा है। इसमें हम बहनों और महिलाओं का सम्मान जुड़ा है। हजारों वर्षों से भारत में नारियों का सम्मान हुआ है, लेकिन आज विपक्ष ने जिस तरीके से महिलाओं का अपमान किया हैए यह घोर निंदनीय है। हम उस देश में रहते हैं, जिस देश को मां कहा जाता है। हमारे देश में नदियों को भी मां कहा जाता है। मैं राहुल गांधी और अखिलेश यादव को कहना चाहती हूं कि जिस मां ने आपको पैदा किया है, वह मां आपकी पहले टीचर है। आपने उस मां का अपमान किया है। जब आप पैदा हुए तो आपकी बहन ने आपको अंगुली पड़कर चलना सिखाया। आपने उस बहन का अपमान किया है। जिस बेटी का चेहरा देख कर आपका दुख दर्द खत्म हो जाता है। आपने उसका विरोध किया।

प्रभावित करने के लिए आप अपना स्तर गिरा रही हैं। वे किसी के भी सगे नहीं हैं। आप अपना स्तर बनाए रखें और संतुलन भी। मैं आपसे किसी क्षमा की भी अपेक्षा नहीं रखता हूं। न ही ऐसा कहने के बाद क्षमा के कोई मायने रह जाते हैं। आपका अकेले में बैठकर जो पछतावा होगा, हमारे लिए इतना ही बहुत है।

गौरव चौधरी ने मेयर के आवास के बाहर सुरक्षा के लिए लगाए गए बैरियर को झकझोरा और नारेबाजी की।

अखिलेश यादव ने किया था पलटवार

अखिलेश यादव ने मंगलवार को ही मेयर सुषमा खर्कवाल के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने फेसबुक पर मेयर को संबोधित करते हुए लिखा था- आप कृपया अपनी राजनीतिक मजबूरीवश मेरी दिवंगत मां का नाम लेकर एक महिला के रूप में एक अन्य महिला का अपमान न करें। नारी के सम्मान में आपसे बस इतना आग्रह है। यदि आपके घर में कोई बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चे तो उनसे पूछ लीजिए कि आपका ये अति निंदनीय द्वेषपूर्ण बयान उचित है या नहीं?

अब यूपी बीज निगम कार्मिकों को भी मिलेगा सातवां वेतनमान

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उदारता और कृषि मंत्री के प्रयासों से कर्मियों को मिला बड़ा उपहार।
- लगातार लाभ अर्जित कर रहे निगम का वित्तीय वर्ष 2025-26 में 40 करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा संभावित।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उदारता और कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही के प्रयासों के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश राज्य बीज विकास निगम के कार्मिकों को सातवां वेतनमान दिए जाने का निर्णय लिया गया है। एक निगम होने के कारण अभी तक इन कर्मियों को सरकारी विभागों की तरह वेतन का यह लाभ प्राप्त नहीं हो सका था। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील निर्णय से निगम के

कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है, क्योंकि लंबे समय बाद उन्हें अन्य सरकारी कर्मचारियों की भांति सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों का लाभ मिलेगा। उत्तर प्रदेश राज्य बीज विकास निगम की वित्तीय स्थिति में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

निगम वित्तीय वर्ष 2017-18 के बाद से, विशेषकर वित्तीय वर्ष 2019-20 से निरंतर लाभ अर्जित कर रहा है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में निगम द्वारा 40.00 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ अर्जित किया जाना संभावित है। निगम की इस सुदृढ़ वित्तीय स्थिति और कर्मियों के समर्पण को देखते हुए ही सातवें वेतनमान की फाइल को स्वीकृति प्रदान की गई है।

उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 तक निगम का कुल संचित लाभ 143.07 करोड़ रुपये हो चुका है। कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही के विशेष प्रयासों ने निगम को घाटे से उबारकर लाभ की स्थिति में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी सफलता के परिणामस्वरुप मुख्यमंत्री जी ने कार्मिकों के हित में सातवां वेतनमान लागू करने का निर्णय लिया है, जिससे कर्मचारियों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार सुनिश्चित होगा।

फास्ट न्यूज

सपाई मेरा मछली खाते एआई फोटो वायरल कर रहे

वाराणसी। ममता दीदी को सुनकर लगता है कि उनका थोड़ा सिस्टम हिला हुआ है। पश्चिम बंगाल में ऐसा सरकार देनी है जो किसी के साथ भेदभाव ना करें। अब वहां काबा नहीं मां काली की पूजा होगी। सपाई मेरा मछली खाते AI फोटो वायरल कर रहे हैं। ये बातें बुधवार को वाराणसी पहुंचे सांसद मनोज तिवारी ने कही। वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से बीएचयू में राष्ट्रीय कला मंच के कार्यक्रम में पहुंचे थे।

महिलाओं ने राहुल-अखिलेश का पुतला फूंका

कानपुर। कानपुर में महिला आरक्षण बिल को लेकर बुधवार को कानपुर में बीजेपी युवा मोर्चा ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिला मंत्री एडवोकेट मीनाक्षी गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित न होने को लेकर विरोध जताया और विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा। दोपहर करीब 12 बजे गुमटी चौराहा स्थित रामकृष्ण नगर के पास बीजेपी युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एकत्र हुए। इस दौरान राहुल गांधी और अखिलेश यादव के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और उनके पुतलों को आग के हवाले कर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए यह बिल बेहद जरूरी है, लेकिन विपक्ष के विरोध के कारण इसे पारित होने में बाधा आई, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

पावर कॉरपोरेशन और कर्मचारी संघ के बीच वार्ता स्थगित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड एवं कर्मचारी संगठनों के बीच होने वाली महत्वपूर्ण वार्ता को प्रबंधन की ओर से अचानक स्थगित कर दिया गया है। यह स्थगन कर्मचारियों में काफी निराशा और असमंजस की स्थिति पैदा कर रहा है। प्रदेश महामंत्री देवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने कहा कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज की बैठक में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा प्रस्तावित थी।

24 अप्रैल को आयोजित होगी 'जोनल कान्फ्रेन्स-2026'

- केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री की अध्यक्षता में जुटेंगे कई राज्यों के कृषि मंत्री।
- उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी स्थित 'द सेंट्रम होटल' में आगामी 24 अप्रैल, 2026 को 'जोनल कान्फ्रेन्स-2026' का आयोजन किया जाना है। इस सम्मेलन की अध्यक्षता भारत सरकार के माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करना और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है। इस जोनल कान्फ्रेन्स में उत्तर प्रदेश के साथ-साथ उत्तराखण्ड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के माननीय कृषि मंत्रीगण प्रतिभाग करेंगे। इसके अतिरिक्त केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ़ एवं लद्दाख के प्रशासक तथा भारत सरकार के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी इस सम्मेलन का हिस्सा बनेंगे। यह कार्यक्रम 24 अप्रैल को सुबह 9:30 बजे से प्रारम्भ होकर सायं 7:30 बजे तक प्रस्तावित है। पूरे दिन चलने वाले इस आयोजन में विभिन्न सत्रों के माध्यम से कृषि विकास और किसानों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं और चुनौतियों पर विस्तार से संवाद किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्रेस कान्फ्रेन्स और मीडिया ब्रीफिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी भी साझा की जाएगी। यह जोनल कॉन्फ्रेंस राज्यों के बीच सहयोग और तालमेल को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उम्मीद है कि इस मंच के माध्यम से कृषि क्षेत्र में नई पहल और योजनाएं सामने आएंगी, जिससे किसानों की स्थिति में सुधार और कृषि विकास को नई गति मिलेगी।

शिक्षक अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

पुलिस टांगकर ले गई ईको गार्डन, प्रदर्शनकारियों ने घूम-घूमकर कर मांगा भीख

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। 'योगी बाबा न्याय करो, सुप्रीम कोर्ट में पैरवी करो' और 'न्याय नहीं दे सकते तो इस्तीफा दो' । इसी नारे के साथ लखनऊ में 69000 शिक्षक भर्ती से जुड़े अभ्यर्थियों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान अभ्यर्थी दो अलग-अलग हिस्सों में बंट गए। एक समूह ने चारबाग रेलवे स्टेशन के पास भीख मांगकर विरोध किया। तो वहीं दूसरे समूह ने विधान भवन का घेराव किया। अभ्यर्थियों का आरोप है कि भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ियों और सुप्रीम कोर्ट में कमजोर पैरवी के कारण उन्हें वर्षों से नियुक्ति नहीं मिल पा रही है। इस दौरान करीबन आधे घंटे तक अभ्यर्थियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई। महिला अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि इस दौरान उनके साथ अभद्रता की गई। चूड़ियां तोड़ दी गईं और कपड़े तक फाड़े गए। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया, जहां कुछ अभ्यर्थी ठेला लगाने वालों से भीख मांगते नजर आए। प्रदर्शनकारियों का

- 69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थी महिलाओं का आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान उनकी चूड़ियां तोड़ दी गई कपड़े फाड़े गए पुलिस ने बहुत अभद्रता किया।

कहना है कि वे लंबे समय से न्याय का इंतजार कर रहे हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। करीब आधे घंटे तक दोनों पक्षों के बीच तीखी झड़प चलती रही। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस ने सख्ती दिखाई और कई अभ्यर्थियों को पकड़कर जबरन गाड़ियों में बैठाया।

'मंत्री सिर्फ देते हैं आश्वासन'

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सुप्रीम कोर्ट में प्रदेश सरकार की लचर पैरवी की वजह से उन्हें नियुक्ति नहीं मिल पा रही।

पिछले 5 वर्षों से रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि 5 सालों में सैकड़ो बार, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के आवास का घेराव कर चुके हैं। हर बार मंत्री आश्वासन देते हैं। बेरोजगार होते हुए भी हम लोग अलग-अलग जनपदों से किराया भाड़ा खर्च करके आते हैं, मगर मायूस होकर वापस जाना पड़ता है। इस बेरोजगारी में हम लोगों के लिए 100 - 200 रुपए भी बड़ी बात है। किस तरह से हम लोग लखनऊ आते हैं यह हम अभ्यर्थी ही जानते हैं।

सोना-चांदी कारोबारी ने खुद को मारी गोली

घर की पहली मंजिल पर खून से लथपथ शव मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। लखनऊ में सोने-चांदी के कारोबारी ने खुद को लाइसेंसी राइफल से गोली मार ली। घर के पहली मंजिल के कमरे में उनका खून से लथपथ शव मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मौके से लाइसेंसी राइफल बरामद हुई है। घटना बुधवार सुबह पारा थाना क्षेत्र के बुद्धेश्वर चौराहा स्थित भपटामऊ में हुई। मृतक की पहचान सरदार कप्तान सिंह (55) के रूप में हुई। पुलिस की जांच में पारिवारिक विवाद सामने आया है। सरदार कप्तान सिंह भपटामऊ में परिवार के साथ रहते थे। बुधवार सुबह वह घर की पहली मंजिल पर बने पीछे के कमरे में गए। वहां लाइसेंसी राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। सरदार कप्तान सिंह खून

सरदार कप्तान सिंह, मृतक

से लथपथ पड़े थे। परिजनों ने घटना की पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। जानकारी के अनुसार, सरदार कप्तान सिंह मूल रूप से कासगंज के रहने वाले थे। उनके चार बेटे हैं। इनमें से दो बेटे विनायक और कुलदीप अपनी पत्नियों के साथ भपटामऊ में ही रहते हैं। अन्य दो बेटे कुलदीप और पवन कासगंज में रहते हैं। पवन की पत्नी मोहिनी का दहेज से जुड़ा मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

9 मई को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, सस्ते और त्वरित न्याय के लिए तैयारियां तेज

बैंकों और फाइनेंस कंपनियों के साथ समीक्षा बैठक, अधिक से अधिक वाद निस्तारण पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। जन सामान्य को त्वरित, सस्ता और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगामी 9 मई 2026 (शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

यह बैठक माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार तथा जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री मलखान सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित हुई।

बैठक की अध्यक्षता प्राधिकरण के सचिव श्री कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा ने की। बैठक में बैंक ऑफ इंडिया के जिला अग्रणी प्रबंधक श्री मनीष पाठक सहित भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ

महाराष्ट्र, सेंट्रल बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूको बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, येस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, बंधन बैंक, आईडीबीआई बैंक सहित विभिन्न बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि और पैनल अधिवक्ता उपस्थित रहे।

समीक्षा के दौरान सचिव ने लोक अदालत में प्रस्तुत किए जाने वाले वादों की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी बैंक एवं वित्तीय संस्थान अपनी शाखाओं में बैनर लगाकर और अन्य माध्यमों से लोक अदालत का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें।

इसके साथ ही संबंधित मामलों के नोटिस समय से तैयार कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए, ताकि समय पर नोटिसों का तामील कराया जा सके। साथ ही व्हाट्सएप, मैसेज जैसे डिजिटल माध्यमों के जरिए भी लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इस पहल से अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कर लोगों को त्वरित न्याय दिलाया जा सकेगा।

विवाद : गाजीपुर में 16 साल की लड़की की हत्या हुई थी, परिवार से मिलने जा रहे थे

सपा नेताओं-ग्रामीणों में पत्थरबाजी, पूर्व मंत्री का सिर फूटा

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर। गाजीपुर में सपा प्रतिनिधिमंडल और गांववालों के बीच जमकर पत्थर चले। सपा का प्रतिनिधिमंडल एक पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचा था, लेकिन गांववालों ने उन्हें गांव के बाहर रोक दिया। इस दौरान हुए झगड़े के बाद पत्थरबाजी हुई। इसमें पूर्व मंत्री का रामआसरे विश्वकर्मा के सिर पर गंभीर चोट लगी। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, 15 अप्रैल को 16 साल की लड़की निशा विश्वकर्मा का शव जमानिया पुल के पास नदी में मिला था। पुलिस की जांच में यह मामला हत्या का निकला। इसके बाद एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। निशा की मौत के बाद से ही गांव में तनाव का माहौल था। इसी बीच, बुधवार को सपा का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने कटरिया गांव जा पहुंचा। गाजीपुर के कटरिया गांव में 14-15 अप्रैल की रात एक 16 साल की लड़की निशा शर्मा की गंगा नदी में कूदने से मौत हो गई थी। इस

- गांववालों और सपा नेताओं ने एक-दूसरे पर काफी देर तक पत्थर बरसाए। इसमें पूर्व मंत्री का सिर फूट गया।

घटना के बाद से गांव में लगातार तनाव की स्थिति बनी है। निशा के पिता सियाराम शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने 2 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने एक आरोपी हरिओम पांडेय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसी बीच, घटना को लेकर सोशल मीडिया पर जातीय आधार पर टिप्पणियां करने का मामला सामने आया था। आरोप है कि कुछ असामाजिक तत्वों ने ब्राह्मण समाज को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं, जिससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो गया था। गाजीपुर के कटरिया गांव में निशा विश्वकर्मा की हत्या के विरोध में 20 अप्रैल (सोमवार) को सपा ने प्रदर्शन किया था। इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों के लोग शामिल हुए थे।

गांववालों के रोकने पर धरने पर बैठे सपा कार्यकर्ता

गांववालों ने जब सपा प्रतिनिधिमंडल को रोका, तो वे लोग वहीं धरने पर बैठ गए। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच पहले जुबानी बहस शुरू हुई। धीरे-धीरे मामला बिगड़ने लगा और पत्थरबाजी होने लगी। इसमें पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा, जंगीपुर से सपा विधायक डॉ. वीरेंद्र यादव, रीना यादव और बिंदुबाला बिंद घायल हो गए।

पृष्ठ 01 का शेष...

होर्मुज स्ट्रेट बना ...

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक 28 फरवरी से अब तक करीब 11.91 लाख लोग भारत वापस आ चुके हैं। क्षेत्र में बढ़ते तनाव और सुरक्षा चिंताओं के बीच वहां रह रहे भारतीयों की वापसी लगातार बढ़ी है। हालात बिगड़ने के बाद लोगों ने तेजी से देश लौटना शुरू किया। सरकार ने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए जरूरी इंतजाम किए हैं और लगातार इस प्रक्रिया पर नजर रखी जा रही है। इजराइल ने उत्तरी हिस्से से दक्षिणी लेबनान की ओर एक इंटरसेप्टर मिसाइल दागी है। यह कार्रवाई एक हवाई लक्ष्य को रोकने के लिए की गई बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिसाइल को दक्षिणी लेबनान के ऊपर मौजूद लक्ष्य को निशाना बनाकर लॉन्च किया गया। इंटरसेप्टर मिसाइल का इस्तेमाल आमतौर पर रॉकेट या ड्रोन जैसे हवाई खतरों को हवा में ही नष्ट करने के लिए किया जाता है, ताकि जमीन पर नुकसान से बचा जा सके। लेबनान में सीजफायर बढ़ाने को लेकर बातचीत जारी है। राष्ट्रपति जोसेफ औन ने कहा है कि देश की शांति और स्थिरता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई भी पक्ष सुरक्षा उपायों में बाधा नहीं डाल सकता। औन ने कहा कि वह देश में असामान्य हालात खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इसी कड़ी में लेबनान की अमेरिका में राजदूत नादा हद्दाद माआउआद गुरुवार को अमेरिकी विदेश विभाग में होने वाली बैठक में हिस्सा लेंगी। इस बैठक में सीजफायर बढ़ाने का मुद्दा उठाया जाएगा। लेबनान इस बैठक में इजराइल से दक्षिणी इलाकों में हो रही तोड़फोड़ की कार्रवाई रोकने की मांग भी करेगा। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में एक और जहाज पर हमला किया है। इससे पहले दो जहाजों को जब्त किया जा चुका है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक IRGC ने यूफोरिया नाम के जहाज को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि यह जहाज ईरान के तट के पास फंसा हुआ था, हालांकि इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने होर्मुज स्ट्रेट में दो जहाजों को जब्त कर लिया है।

मोदी को आतंकी ...

राहुल गांधी के साथ रहकर खड़गे की भाषा बिगड़ने लगी है, लेकिन मोदी को जितनी गालियां दोगे, कमल उतना ही ज्यादा खिलेगा। कोलकाता में रैली के दौरान अभिषेक बनर्जी ने अमित शाह पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और महिलाओं के अपमान का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह बीजेपी की महिलाओं के प्रति सोच को दिखाता है। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि बीजेपी के बयानबाजी का जवाब चुनाव नतीजों के बाद दिया जाएगा और पार्टी 4 मई के बाद अगली राजनीतिक लड़ाई की तैयारी करेगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी बंगालियों की सोच पर सवाल उठा रही है। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में रैली के दौरान अमित शाह ने कहा कि BJP सिर्फ बंगाल ही नहीं, बल्कि पूरे देश से घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें हटाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घुसपैठिए स्थानीय लोगों की नौकरियां छीन रहे हैं और गरीबों के हक के संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं। शाह ने कहा- कोलकाता के व्यापारी कहते हैं कि ममता के गुंडों से डर लगता है। लेकिन मैं कहता हूं किसी को ममता के गुंडों से डरने की जरूरत नहीं है। ममता अपने गुंडों से कह दें कि आपे में रहें नहीं तो 5 मई के बाद हम हिसाब-किताब बराबर कर देंगे। पश्चिम बंगाल के उदयनारायणपुर में योगी आदित्यनाथ ने रैली में कहा कि जैसे कश्मीर में आर्टिकल 370 को हमेशा के लिए खत्म कर दिया गया है वैसे ही हमें TMC, कांग्रेस और कम्युनिस्टों को भी खत्म कर देना चाहिए, जो बंगाल की पहचान के साथ छेड़छाड़ करते हैं और राज्य को जबरन वसूली और गुंडागर्दी का अड्डा बना देते हैं। उनके लिए यहां कोई जगह नहीं होगी असम के CM हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा- डरने की कोई जरूरत नहीं है। आजादी से वोट करें जिसे चाहें वोट दें। कुछ नहीं होगा। मैं आप सबके साथ हूं। आपको अपनी मर्जी से वोट करना चाहिए। इस बार कोई गुंडा कुछ करने की हिम्मत भी नहीं करेगा। हालात पहले जैसे नहीं हैं। इस बार कोई कुछ नहीं कर पाएगा और लोग शांति से वोट करेंगे।

जांच में ममता का ...

सूत्रों के अनुसार इसके एचआर ने 1300 कर्मियों को काम पर न आने का लेटर भेजा है। यह सब ऐसे समय हुआ है जब पहले चरण के मतदान को एक दिन बचे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण के तहत 152 सीटों पर वोटिंग होनी है। दूसरे चरण की वोटिंग 29 अप्रैल को है।

आईआरएस ...

उसे करीब एक महीने पहले रोजमर्रा के खर्चों में गड़बड़ी के आरोप में नौकरी से हटा दिया गया था। सूत्रों के अनुसार, मीणा को घर की बनावट और परिवार की दिनचर्या की पूरी जानकारी थी। उसे यह भी पता था कि युवती के माता-पिता कब वॉक या जिम के लिए घर से निकलते हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी सुबह करीब 6 बजे घर में घुसा, युवती पर हमला किया और उसके साथ रेप किया। इस दौरान उसने डंडे से भी हमला किया, जिससे पीड़ित के चेहरे और सिर पर गंभीर चोटें आईं। इसके बाद उसने मोबाइल चार्जिंग केबल से उसका गला घोंट दिया और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए कई टीमें बनाई गई हैं।

स्मार्ट मीटर की सच्चाई पर आप प्रवक्ता वंशराज दुबे का बड़ा खुलासा

जबरन प्रीपेड मीटर लगाकर जनता की जेब काट रही योगी सरकार: वंशराज दुबे

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर के नाम पर बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार और जनता के साथ धोखे का मामला सामने आया है। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने बुधवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर योजना, जिसे प्रदेश में डिजिटल क्रांति के रूप में पेश किया गया था, आज "डिजिटल लूट" का सबसे बड़ा माध्यम बन चुकी है। उन्होंने कहा कि रिचार्ज खत्म होते ही बिजली काट दी जाती है और रिचार्ज करने के बाद भी 2 से 12 घंटे तक बिजली बहाल नहीं होती, जो सरकार की नीयत और व्यवस्था दोनों पर सवाल खड़े करता है। प्रेस वार्ता में वंशराज दुबे ने कहा कि भाजपा ने 2019-20 में यह सपना दिखाया था कि स्मार्ट मीटर लगाकर उत्तर प्रदेश को तकनीकी रूप से उन्नत बनाया जाएगा, लेकिन हकीकत यह है कि यह योजना पूरी तरह फेल हो चुकी है। उन्होंने

कहा कि स्मार्ट मीटर अब इतने "स्मार्ट" हो गए हैं कि पैसा खत्म होते ही तुरंत बिजली काट देते हैं, लेकिन रिचार्ज के बाद बिजली देने में घंटों लगा देते हैं। उन्होंने कहा कि पावर कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के लगभग 2 लाख उपभोक्ताओं को समय से बिजली नहीं मिल रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 78 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जिनमें लगभग 70 लाख प्रीपेड मीटर हैं। 13 मार्च से 10 अप्रैल के बीच करीब 50 लाख उपभोक्ताओं के कनेक्शन बैलेंस खत्म होने के कारण काट दिए गए। वहीं रिचार्ज के बाद भी लाखों उपभोक्ता घंटों तक बिजली के इंतजार में बैठे रहे।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676